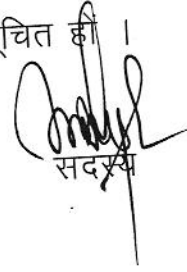


दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
18-3-15	<p>प्रकरण का अवलोकन किया । यह पुनरावलोकन इस न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक निग.1201-तीन/99 में पारित आदेश दिनांक 21-02-02 के विरुद्ध म.प्र.भू-राजस्व संहिता, 1959 :जिसे आगे केवल संहिता कहा जावेगा: की धारा 51 के तहत प्रस्तुत किया गया है ।</p> <p>2- आवेदक अभि. द्वारा ग्राह्यता बिन्दु पर दिए गए तर्कों पर विचार किया एवं प्रकरण का अवलोकन किया गया । निम्नलिखित तीन आधार विद्यमान होने पर ही पुनरावलोकन आवेदन स्वीकार किया जा सकता है :-</p> <p>1- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी ।</p> <p>2- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती ।</p> <p>3- कोई अन्य पर्याप्त कारण ।</p> <p>आवेदक ने पुनरावलोकन का जो आवेदन पेश किया है, उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान नहीं होना पाया जाता । इसलिये इस पुनरावलोकन आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह पुनरावलोकन प्रकरण अग्राह्य किया जाता है । आवेदक सूचित है ।</p>	 सदस्य